केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 86 शनिवार 17 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कालरात्रि : काल से रक्षा करती है मां दुर्गा की सातवीं शक्ति...

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी।।

नाम से अभिव्यक्त होता है कि मां दुर्गा की यह सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है अर्थात जिनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है। नाम से ही जाहिर है कि इनका रूप भयानक है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। अंधकारमय स्थितियों का विनाश करने वाली शक्ति हैं कालरात्रि। काल से भी रक्षा करने वाली यह शक्ति है।

इस देवी के तीन नेत्र हैं। ये तीनों ही नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल हैं। इनकी सांसों से अग्नि निकलती रहती है। ये गर्दभ की सवारी करती हैं। ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा भक्तों को वर देती है। दाहिनी ही तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है। यानी भक्तों हमेशा निडर, निर्भय रहो।

बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है। इनका रूप भले ही भयंकर हो लेकिन ये सदैव शुभ फल देने वाली मां हैं। इसीलिए ये शुभंकरी कहलाईं अर्थात् इनसे भक्तों को किसी भी प्रकार से भयभीत या आतंकित होने की कतई आवश्यकता नहीं। उनके साक्षात्कार से भक्त पुण्य का भागी बनता है।

कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्मांड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुलने लगते हैं और तमाम असुरी शक्तियां उनके नाम के उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं। इसलिए दानव, दैत्य, राक्षस और भूत–प्रेत उनके स्मरण से ही भाग जाते हैं।

ये ग्रह बाधाओं को भी दूर करती हैं और अग्नि, जल, जंतु, शत्रु और रात्रि भय दूर हो जाते हैं। इनकी कृपा से भक्त हर तरह के भय से मुक्त हो जाता है।

एक नजर

यूपी में तीन दिन का सार्वजनिक अवकाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूपी में लगातार तीन दिन तक सार्वजनिक छुट्टी रहेगी। 18 अक्टूबर को रविवार और 20 अक्टूबर को दशहरा के चलते सरकारी ऑफिस और स्कूल–कॉलेज बंद रहेंगे। रामनवमी के चलते सीएम योगी ने अब 19 अक्टूबर को भी छुट्टी की घोषणा कर दी है।

सीएम योगी के इस ऐलान के बाद सरकारी कर्मचारियों और स्कूल–कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। अब सीधे 21 अक्टूबर यानी बुधवार को ऑफिस और स्कूल खोले जा सकेंगे। सीएम योगी के इस ऐलान के बाद प्रमुख सचिव ने छुट्टी का आदेश सभी जिलों में जारी कर दिया है। बतादें कि शिक्षक–कर्मचारी संगठनों ने सीएम योगी से 19 अक्टूबर को रामनवमी पर सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की मांग की थी, जिसे सीएम योगी ने मान लिया।

19 अक्टूबर को यूपी में सार्वजनिक छुट्टी करने को लेकर विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन समेत विभिन्न संगठनों ने सीएम योगी और मुख्य सचिव को पत्र भेजा था। पत्र में संगठनों ने कहा था कि 18 अक्टूबर को रविवार और 20 अक्टूबर को दशहरे का अवकाश रहेगा। ऐसे में 19 अक्टूबर को भी छुट्टी मिलने से लगातार तीन दिन अवकाश मिलेगा। यूपी में त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है। छठ पूजा तक छोटे–बड़े पर्व और त्योहार पड़ेंगे जिसके चलते सरकारी ऑफिसों और स्कूल–कॉलेजों में छुट्टी रहेगी। नवरात्र से इसकी शुरुआत हो गई है। 18 अक्टूबर के चलते छुट्टी रहेगी। 19 अक्टूबर को सीएम योगी रामनवमी को लेकर सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा कर दी है।

तिरंगा मार्च से पहले अभिजीत दीपके–नेहा बोरा हिरासत में

नई दिल्ली (आभा)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके और आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दीपके तिरंगा रैली में शामिल होने सेंट्रल पार्क जा रहे थे। 6 दिनों में दीपके को दूसरी बार कस्टडी में लिया गया है। इससे पहले 10 अक्टूबर को जंतर–मंतर प्रदर्शन से पहले दीपके को विमान से हिरासत में लिया गया था, अगले दिन छोड़ दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अभिजीत दीपके को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हाथ में रखने के लिए हिरासत में लिया गया है। जरा सोचिए, स्वतंत्र भारत

में हमारे युवाओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का शांतिपूर्ण तरीके से इस्तेमाल करने पर हिरासत में लिया जा रहा है। यह किसी अघोषित आपातकाल से कम नहीं है। असहमति से डरने वाली सरकार अब पूरी पीढ़ी को चुप कराने के लिए डराने की कोशिश कर रही है। कॉकरोच जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि अभिजीत दीपके को केवल इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि वह राष्ट्रीय ध्वज लेकर निर्धारित स्थान की ओर जा रहे थे। कॉकरोच जनता पार्टी के अनुसार, यह कार्रवाई दिखाती है कि प्रशासन को किसी अव्यवस्था से नहीं, बल्कि आम नागरिकों के हाथों में तिरंगे की शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ताकत से डर है।

अभिजीत दीपके जहां ठहरे हुए थे, पुलिस वहां पहुंची थीं। दीपके और पुलिस की बहस भी हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीपके ने कहा था कि आप अपनी मर्जी से जो मन में आ रहा है, वही लिख रहे हैं। यह बेतुका है। फांसी पर चढ़ा दो ना। क्या मजाक है ये?दिल्ली पुलिस ने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में ले लिया। वह मंडी हाउस से मार्च का नेतृत्व करने की तैयारी कर रही थीं। पुलिस ने उन्हें मार्च शुरू करने से पहले हिरासत में लिया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें किस मामले में हिरासत में लिया गया है।

मतदान के दिन बंद रहेंगी शराब की दूकाने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक का मतदान के दिन 23 अक्टूबर को लोक शान्ति बनाये रखने, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्वक मतदान कराये जाने के उद्देश्य से जनपद में स्थित समस्त थोक व फुटकर अनुज्ञापन देशी शराब/कम्पोजिट शॉप/मॉडल शाप/ताड़ी एवं समस्त बार अनुज्ञापनों को आगामी 23 अक्टूबर 2026 को पूर्णतः बन्द रहेगा। यह आदेश जिला मजिस्ट्रेट कृत्तिका ज्योत्स्ना ने दिया हैं।

मोटर ट्रेनिंग स्कूलों पर फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने का आरोप, डीएम से जांच की मांग

–ऑटो रिक्शा जन कल्याण समिति ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददात

बस्ती। शुक्रवार को ऑटो रिक्शा जन कल्याण समिति अध्यक्ष मो. हारून के नेतृत्व में आटो चालकों और समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि जिले में संचालित कुछ मोटर ट्रेनिंग स्कूलों द्वारा नियमों के विपरीत प्रशिक्षण देने और कथित तौर पर फर्जी तरीके से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी करने की जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई किया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद समिति के जिला संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि जिले में आशा मोटर ट्रेनिंग स्कूल, प्रशांत मोटर ट्रेनिंग स्कूल और अवध मोटर ट्रेनिंग स्कूल सहित कुछ संस्थान मानकों के विपरीत संचालित किए जा रहे हैं। कहा कि इन संस्थानों में कथित तौर पर 6,000 रुपये लेकर अप्रशिक्षित चालकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। आरोप लगाया कि कुछ केंद्रों पर पर्याप्त प्रशिक्षक नहीं हैं और प्रशिक्षण की प्रक्रिया भी निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं अपनाई जा रही है। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि कुछ लोगों को प्रमाण पत्र मिलने के बाद सड़क पर वाहन चलाने की अनुमति मिल जाती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

समिति अध्यक्ष मो. हारून ने कहा कि अयोध्या स्थित परिवहन आयुक्त कार्यालय के एक आदेश में कहा गया है कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 ए पत्र निःशुल्क जारी करने के निर्देश के बावजूद कथित तौर पर इसके लिए एक हजार रूपये की अवैध वसूली की जा रही है। प्रशिक्षण शुल्क लेने के बावजूद कुछ संस्थान रसीद नहीं देते हैं। ज्ञापन में परिवहन विभाग के स्तर पर भी निगरानी की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। कहा कि संबंधित मोटर ट्रेनिंग स्कूलों की निष्पक्ष जांच कराई जाय जिससे वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

ज्ञापन सौंपने के वालों में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष डा. इम्तियाज, अंकित उपाध्याय, अकबर अली, वारिस अली, एजाज अहमद, वाहिद अली, महबूब, सोनू कुमार, सुंदर, दीपक, सूरज गुप्ता के साथ ही समिति के पदाधिकारी, आटो चालक शामिल रहे।

नवाचार से निखरेगा शिक्षण, डायट में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कक्षा शिक्षण को प्रभावी, रुचिकर और नवाचार आधारित बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को दो दिवसीय नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसी क्रम में कक्षा शिक्षण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के प्रयोग संबंधी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। दोनों कार्यक्रमों का शुभारंभ डायट प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि नवाचार और तकनीक के प्रभावी प्रयोग से कक्षा शिक्षण को अधिक सरल, रोचक और परिणामपरक बनाया जा सकता है। शिक्षकों को अपने सफल प्रयोग और बेहतर शिक्षण पद्धतियों को साझा करना चाहिए, ताकि उनका लाभ अन्य विद्यालयों के बच्चों को भी मिल सके। समग्र शिक्षा एवं एससीईआरटी के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराते हुए शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाना है।

इससे पहले आयोजित आईसीटी प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न ब्लॉकों के करीब 45 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। परिषदीय विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए टैबलेट का प्रभावी इस्तेमाल शिक्षण को सरल और रुचिकर बनाने में सहायक होगा। प्रतियोगिता के पुरुष संवर्ग में बस्ती सदर के राजेश कुमार चौधरी ने प्रथम, सल्टौआ के रजनीश ने द्वितीय और बहादुरपुर के अमरेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला संवर्ग में जया सिंह प्रथम रहीं। निर्णायक मंडल में सरिता चौधरी, मो. इमरान खान और डॉ. गोविन्द प्रसाद शामिल रहे। इस अवसर पर प्रवक्ता वर्षा पटेल, डॉ. रविनाथ, अलीउद्दीन, कल्याण पांडेय आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक समाज की नींव, उनके सम्मान से मजबूत होगा राष्ट्र– अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षक समाज की नींव हैं। उनके ज्ञान, संस्कार और समर्पण से ही भावी पीढ़ी का निर्माण होता है। शिक्षकों का सम्मान और सशक्तीकरण राष्ट्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह बातें हर्रैया विधायक अजय सिंह ने शुक्रवार को छावनी स्थित बीआरसी परिसर में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई विक्रमजोत की ओर से आयोजित शिक्षक उन्नयन संगोष्ठी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में कहीं। विधायक ने कहा कि शिक्षकों के हितों और सम्मान को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह के मुख्यमंत्री कार्यकाल में भाजपा सरकार के दौरान शिक्षकों को पंचम वेतन आयोग का लाभ मिला था। विभागीय टीईटी के संबंध में उन्होंने कहा कि शिक्षकों की नौकरी सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सरकार यह प्रक्रिया करा रही है। उन्होंने शिक्षकों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बच्चों के शैक्षिक

–शिक्षक उन्नयन संगोष्ठी में सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मानित

विकास तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक शिवपूजन शुक्ल, शशिकला सिंह, आशा देवी, केशव राम यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, लीलावती देवी, रामसूरत सिंह, सुभावती त्रिपाठी, शीला सिंह, सियाराम पाण्डेय, शीतला प्रसाद तिवारी और कमलेश तिवारी को सम्मानित किया गया। शिक्षकों के सेवाकाल में दिए गए योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में निभाई गई जिम्मेदारियों की सराहना की गई। समाजसेवी यज्ञेश पाण्डेय और शैलेश पाण्डेय ने कहा कि शिक्षक बच्चों को शिक्षित करने के साथ उनके चरित्र निर्माण और समाज को सही दिशा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने शिक्षक हितों, सम्मान और संगठन की भूमिका पर विचार रखे। अंत में ब्लॉक अध्यक्ष संजीव सिंह ने अतिथियों, सम्मानित शिक्षकों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद ने की, जबकि संचालन विवेक कान्त पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर राजकुमार तिवारी, संतोष पाण्डेय, अश्वनी सिंह, समीउल्लाह अंसारी, अखिलेश पाण्डेय, बृजेश त्रिपाठी, नन्दलाल, सत्यप्रकाश कन्नौजिया, कृष्ण चन्द्र गौतम, विजय सेन, पीयूष मिश्र, सचिन पाण्डेय, शिवम शुक्ल, अनुपम सिंह, अचिंत पाण्डेय, विकास सिंह, हेमंत सिंह, अमित पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, पुष्पेन्द्र धर द्विवेदी, नृपेन्द्र पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सांप कांड : प्रेमी, प्रेमिका को सजा–ए– मौत

मेरठ (आभा)। मेरठ जिले में चर्चित और सनसनीखेज अमित कश्यप हत्याकांड (सांप कांड) में अपर जिला जज (एडीजे–12) की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने फैसले में मृतक अमित कश्यप की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को फांसी की सजा सुनाई है। सजा सुनाए जाने से पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रविता और

अमरदीप दोनों का पक्ष अदालत ने सुना। जज ने जब दोनों से पूछा कि वे क्या चाहते हैं और अपनी सजा पर क्या कहना चाहते हैं, तो दोनों अदालत में ही फूट–फूटकर रो पड़े। दोनों रहम की भीख मांगने लगे। रविता ने रोते हुए जज से कहा कि उसके तीन छोटे–छोटे बच्चे हैं, कृपया उनका ख्याल रखा जाए। वहीं, अमरदीप ने अपने बूढ़े माता–पिता की देखभाल का हवाला देते हुए रहम की भीख मांगी।

मतदाता सूची का प्रकाशन 12 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम तथा मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके अंतर्गत मतदाता सूची को अद्यतन करने, पात्र नागरिकों के नाम शामिल करने तथा नाम, पता एवं अन्य विवरणों में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार पूरी की जाएगी।

उन्होने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदेय स्थलों के युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन की प्रक्रिया 02 नवंबर 2026 तक पूरी की जानी है। एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को निर्धारित है।

बैठक में मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण तथा नए मतदेय स्थल स्थापित करने के लिए उपयुक्त भवनों को चिह्नित करने पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में 16 से 18 अक्टूबर तक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। 19 अक्टूबर को आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची प्रकाशित करने के साथ उसकी प्रति मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 26 अक्टूबर को वर्तमान सांसद, विधानसभा सदस्यों एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का निस्तारण करते हुए सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर किया निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की जांच, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

–डुमरियागंज– पीलीभीत मार्ग पर हादसों की जांच, मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेता रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बस्ती से डुमरियागंज होते हुए पीलीभीत को जोड़ने वाले मार्ग पर निर्माण कार्य में देरी और सड़क हादसों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। उन्होंने मार्ग पर हुई दुर्घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने, हादसों में जान गंवाने वालों के परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पूर्व विधायक ने कहा है कि मार्ग पर चौड़ीकरण और निर्माण कार्य लंबे समय से चल रहा है। इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन और राहगीर गुजरते हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य में देरी और निर्माणाधीन सड़क पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

भेजे पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि सड़क पर बिखरी निर्माण सामग्री, अधूरी खुदाई, बैरिकेडिंग की

कमी और रात में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होने जैसी समस्याओं से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को आर्थिक संकट से बचाने के लिए उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। साथ ही दुर्घटनाओं के कारणों की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाया जाए।

संजय प्रताप जायसवाल ने मांग किया है कि निर्माण कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक जांच स्वतंत्र उच्चस्तरीय टीम से कराई जाए। सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, निर्धारित मानकों, टेंडर प्रक्रिया, ठेकेदार की जिम्मेदारी और भुगतान संबंधी अभिलेखों की भी जांच हो। यदि जांच में लापरवाही या मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

उन्होंने निर्माण कार्य समय से पूरा नहीं होने के कारणों की भी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। इसके साथ ही निर्माणाधीन मार्ग पर बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, रात्रिकालीन प्रकाश और सुरक्षित डायवर्जन की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

पूर्व विधायक ने संजय प्रताप जायसवाल ने पत्र में कहा है कि सड़क निर्माण के दौरान लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। हादसों में जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा दिलाने, दुर्घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और भविष्य में ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाना जरूरी है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मिलेगा बढ़ावा एसआरएस ट्रेडर्स के हेड ऑफिस का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। केन्द्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसआरएस ट्रेडर्स, उत्तर प्रदेश, नेडा द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यालय के हेड ऑफिस का नगर बाजार में भव्य उद्घाटन किया गया।

कार्यालय का उद्घाटन संतराम शास्त्री और समाजसेवी के.पी. राठौड़ ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल बताया। उद्घाटन के दौरान संतराम शास्त्री और के.पी. राठौड़ ने कहा कि सौर ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ बिजली की बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और बिजली के खर्च को कम करने में मदद मिल सकती है।

एसआरएस ट्रेडर्स के प्रोपराइटर जयप्रकाश शास्त्री और गुलशन कुमार ने बताया कि इच्छुक उपभोक्ता मात्र

–संतराम शास्त्री और समाजसेवी के. पी. राठौड़ ने बताया योजना का लाभ

शून्य रुपये में रजिस्ट्रेशन करवाकर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सोलर प्लांट लगवाने के लिए विभिन्न बैंकों के माध्यम से आसान ईएमआई पर फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि 2 किलोवाट (केडब्ल्यू) का सोलर प्लांट लगभग 1,000 रुपये की मासिक ईएमआई पर लगवाने की सुविधा उपलब्ध होने की बात कही गई है। इससे उपभोक्ताओं को बिजली बिल में दो–तिहाई तक की बचत करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने लोगों से सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक होने और योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर इसका लाभ उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर गिरिजेश कुमार, अशोक कुमार, सुशील कुमार, अनूप कुमार एडवोकेट, दुर्गेश कुमार, अवनीश कुमार, सोमनाथ और डॉ. राजकुमार सहित अन्य लोग शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 अक्टूबर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

रोजगार और एआई

दुनिया तेजी से बदल रही है। जिस काम को करने में पहले घंटों लगते थे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अब वही काम कुछ मिनटों में पूरा हो रहा है। दफ्तरों से लेकर स्कूलों तक और कारोबार से लेकर मीडिया तक, तकनीक का दायरा लगातार बढ़ रहा है। यह बदलाव विकास के नए रास्ते खोल रहा है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो रहा है कि इस बदलती दुनिया में युवाओं के रोजगार और भविष्य की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

आज का युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में भटकता है। कोई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सालों लगा देता है, तो कोई निजी संस्थानों से महंगी डिग्री हासिल करता है। परिवार अपनी जमा—पूंजी बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। इसके बावजूद रोजगार की गारंटी नहीं मिलती। ऐसे में जब तकनीक के कारण काम करने के पुराने तरीके बदल रहे हैं, तब युवाओं की चिंता को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

हाल ही में एआई को लेकर रोजगार के अवसरों और चुनौतियों पर देश में चर्चा तेज हुई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य में भारत में जितनी नौकरियां खत्म करेगी, उससे अधिक अवसर पैदा कर सकती है। यह संभावना सकारात्मक है, लेकिन केवल संभावना के आधार पर युवाओं की चिंता दूर नहीं की जा सकती। असली सवाल यह है कि नए रोजगार के लिए युवाओं को तैयार कौन करेगा और उन्हें अवसर कहां मिलेंगे?

तकनीक का विरोध करना समाधान नहीं है। एआई का इस्तेमाल चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, उद्योग और कारोबार में बेहतर परिणाम देने के लिए किया जा सकता है। किसान मौसम और फसलों से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, छोटे कारोबारी अपने काम को आसान बना सकते हैं और विद्यार्थी नई चीजें सीख सकते हैं। लेकिन तकनीक का लाभ तभी व्यापक होगा, जब आम लोगों को इसका इस्तेमाल करने का अवसर और प्रशिक्षण मिलेगा।

समस्या तब पैदा होती है, जब तकनीक तेजी से आगे बढ़ती है, लेकिन शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था उसी गति से नहीं बदलती। आज भी अनेक विद्यार्थी ऐसी पढ़ाई पूरी करते हैं, जिसमें उन्हें किताबी ज्ञान तो मिलता है, लेकिन कामकाज की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव नहीं मिल पाता। डिग्री और कौशल के बीच की यही दूरी रोजगार की राह में बड़ी बाधा बनती है।

सरकारों को इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीक से जुड़े प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहिए। युवाओं को केवल कंप्यूटर चलाना ही नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा, डेटा का सही इस्तेमाल, तकनीकी समस्याओं का समाधान और अपने क्षेत्र में एआई के उपयोग की जानकारी भी दी जानी चाहिए। प्रशिक्षण ऐसा हो, जिसका संबंध वास्तविक रोजगार से हो।

इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में हर युवा को तकनीकी कंपनी में नौकरी नहीं मिल सकती और न ही हर व्यक्ति का काम केवल डिजिटल माध्यमों से हो सकता है। खेती, निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन, परिवहन, छोटे उद्योगों और स्थानीय कारोबार में भी रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। जरूरत इन क्षेत्रों को मजबूत बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करने की है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। छोटे शहरों और कस्बों के युवाओं को अक्सर बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के सामने यह चुनौती और कठिन हो जाती है। यदि जिला स्तर पर कौशल प्रशिक्षण, रोजगार मार्गदर्शन, अप्रेंटिसशिप और छोटे कारोबार शुरू करने की सुविधाएं मजबूत हों, तो अनेक युवाओं को अपने घर—परिवार से दूर जाने की मजबूरी से राहत मिल सकती है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड और राजनीति

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित एक पर्यटक रिजॉर्ट में काम करने वाली अंकिता भंडारी की हत्या के मामले में भले ही तीन दोषियों को सजा सुनाई जा चुकी है, लेकिन इस मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठे सवाल अब भी बहस में हैं। सितंबर 2022 में अंकिता की हत्या के बाद रिजॉर्ट का एक हिस्सा ढहा दिया गया था। तब इससे साक्ष्यों को नष्ट करने को लेकर सवाल खड़े हुए थे। किसी भी संवेदनशील मामले में जांच की निष्पक्षता जितनी महत्त्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी उसका निष्पक्ष दिखाई देना भी है। अब यही मामला एक और विरोधाभास के कारण बहस में है। कथित वीआईपी कोण की जांच की मांग कर रहे अंकिता के माता—पिता बुधवार को दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। मगर अगले दिन तड़के पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। सवाल है कि न्याय की गुहार लेकर राजधानी आए अंकिता के माता—पिता को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी? पीड़ित परिवार के सवालों का जवाब देने के बजाय उसे हटाने या चुप कराने की कार्रवाई व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करती है।

इस प्रकरण का सबसे असहज पहलू यह है कि एक ओर परिवार पूरे मामले की सीबीआई जांच पूरी होने तक आरोपी व्यक्ति की संवैधानिक पद पर नियुक्ति रोकने की मांग कर रहा है, वहीं जांच की निष्पक्षता को लेकर भी संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं। कानून का भरोसा तभी कायम होता है, जब प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के लिए जांच के मानदंड समान हों। सीबीआई जांच की संस्तुति के बाद जरूरी है कि शुरुआती कार्रवाई से उपजे संदेहों और कथित वीआईपी कोण से जुड़े विश्वसनीय सवालों की पड़ताल साक्ष्यों के आधार पर हो। जांच एजेंसी को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रहकर निष्कर्ष देने चाहिए।

लचर कानून—व्यवस्था की वजह से अंकिता को अपराध का शिकार होने से बचाया नहीं जा सका, लेकिन उसके लिए हर स्तर पर न्याय सुनिश्चित करके सरकार यह दर्शा सकती है कि वह किसी आरोपी को बचाने की कोशिश नहीं कर रही। मगर जब पीड़ित परिवार को न्याय की मांग करते हुए देश की राजधानी में आना पड़े, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया जाए, तो इससे सरकार की संवेदनशीलता और मंशा पर सवाल जरूर उठते हैं।

सऊदी अरब, अमेरिका और नए रक्षा गठबंधन के सामने हूती विद्रोहियों की चुनौती

—कमलेश पांडे—

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका—इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका—इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं। जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12दृ13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हूतियों की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्त्वपूर्ण हैंरू— एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हूतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है।

दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन—कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल

सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणागत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्कीये के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूंढने की कोशिश करते हैं, जहां पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला सवाल यह है कि हूतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हूतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा। दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हुती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्त्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं।

तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हुतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं।

हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हूतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हूतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग—अलग चुनौतियाँ हैं।

चौथा सवाल है कि आखिर इसके पीछे ईरान की भूमिका क्या है? तो जवाब होगा कि हूती आंदोलन को ईरान से समर्थन और तकनीकी सहायता मिलने की बात लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में सामने आती रही है। लेकिन हूतियों को केवल ईरान का निर्देश मानकर चलना भी अधूरा विश्लेषण होगा। एक अध्ययन के अनुसार, ईरान और हूतियों के हित कई मामलों में एक—दूसरे से मेल खाते हैं, लेकिन हूतियों के अपने स्थानीय राजनीतिक उद्देश्य भी हैं।

फेक न्यूज पर लगाम लगाना जरूरी

—स्वदेश कुमार—

लोकतांत्रिक समाज में सूचना की सत्यता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन हमेशा से एक जटिल समस्या रही है। कानूनी विशेषज्ञों, राजनीतिक विश्लेषकों और समाजशास्त्रियों के अनुसार, हाल के वर्षों में सार्वजनिक विमर्श में भ्रामक सूचनाओं (फेक न्यूज) और भड़काऊ बयानों की भूमिका ने देश से प्रेम करने वालों की चिंताएँ बढ़ाई हैं। सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों जैसे राजनेताओं, अभिनेताओं, छात्र नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर अक्सर राजनीतिक लाभ या एजेंडे के तहत समाज को गुमराह करने या अशांति फैलाने वाले दावे करने के आरोप लगते रहे हैं। जहाँ समाज का एक बड़ा वर्ग इसे देश की शांति और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानता है, वहीं कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों के चश्मे से भी देखते हैं। इस विरोधाभास के बीच यह सवाल अक्सर उठता है कि आखिर ऐसे प्रभावशाली लोग कानून के शिकंजे में आसानी से क्यों नहीं आ पाते और हमारे कानूनी ढाँचे में ऐसी कौन—सी खामियाँ हैं जिनका लाभ इन्हें मिलता है।संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(अ) प्रत्येक नागरिक को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। हालांकि, यह अधिकार असीमित नहीं है और अनुच्छेद 19(2) के तहत सार्वजनिक व्यवस्था, राज्य की सुरक्षा और उकसावे जैसे आधारों पर इस पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसके बावजूद, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि भारत के कानूनी ढाँचे में फेक न्यूज या घृणास्पद भाषण (हेट स्पीच) की कोई एक स्पष्ट और सर्वमान्य वैधानिक परिभाषा मौजूद नहीं है। किसी विशिष्ट कानून के अभाव में, ऐसी गतिविधियों से निपटने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), जो पहले भारतीय दंड संहिता या आईपीसी थी, की विभिन्न धाराओं जैसे 153 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 (धार्मिक भावनाओं को आहत करना) और 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए दिए गए बयान) का सहारा लिया जाता है।इन सामान्य धाराओं की वजह से कानूनी प्रक्रिया में कठिनाई आ जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई ऐतिहासिक फैसलों, जैसे कि श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामले में, यह स्पष्ट किया है कि केवल अप्रिय या विवादास्पद बयान देना अपराध नहीं है, जब तक कि वह सीधे तौर पर हिंसा भड़काने या सार्वजनिक व्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित करने का कारण न बने। इस विधिक व्याख्या के कारण, जब कोई नेता या बुद्धिजीवी किसी भ्रामक तथ्य को घुमा—फिराकर पेश करता है, तो वह अक्सर कानून की इस सूक्ष्म सीमा का लाभ उठा लेता है। उनके बयानों को तथ्यों की अपनी व्याख्या या आलोचनात्मक दृष्टिकोण का नाम दे दिया जाता है, जिससे अदालत में उनके खिलाफ अपराध सिद्ध करना बेहद कठिन हो जाता है।इसके अतिरिक्त, डिजिटल युग और सोशल मीडिया के प्रसार ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। आज कोई भी बयान या भ्रामक जानकारी व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर) या फेसबुक के जरिए पलक झपकते ही लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मध्यस्थ का दर्जा प्राप्त है, जिससे उन्हें शुरुआती तौर पर सामग्री के लिए सीधे तौर पर उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। यद्यपि आईटी नियम 2021 और हालिया संशोधनों के माध्यम से भ्रामक सामग्री को हटाने के नियम सख्त किए गए हैं, लेकिन गुमनाम खातों और एन्क्रिप्टेड संदेशों के कारण सूचना के मूल स्रोत या असली साजिशकर्ता तक पहुँचना पुलिस के लिए एक तकनीकी और कानूनी भूलभुलैया साबित होता है।

प्रभावशाली लोगों के कानूनी शिकंजे से बच निकलने का एक और व्यावहारिक कारण प्रक्रियात्मक देरी और राजनीतिक प्रभाव भी है। कई बार ऐसे मामलों में दर्ज की गई प्राथमिकियों (एफआईआर) की जाँच राजनीतिक प्राथमिकताओं के आधार पर प्रभावित होती है। इसके अलावा, अदालतों में मुकदमों के भारी बोझ के कारण अंतिम फैसला आने में सालों लग जाते हैं, जिससे कानून का डर कम हो जाता है। जब तक कोई मामला तार्किक परिणति तक पहुंचता है, तब तक उस भ्रामक बयान का राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव खत्म हो चुका होता है और जनता का ध्यान नए मुद्दों की ओर आकर्षित हो जाता है। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए विधि आयोग और विभिन्न विशेषज्ञ समितियों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह माना जाता है कि कानून में फेक न्यूज और हेट स्पीच को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए, जैसा कि हाल ही में कुछ राज्य सरकारों ने अपने विशिष्ट विधेयकों के माध्यम से करने का प्रयास किया है। इसके तहत केवल सामान्य धाराओं के बजाय भ्रामक सूचनाओं के जरिए सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने के लिए विशेष दंड प्रावधान होने चाहिए। दूसरा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही को और अधिक कड़ा किया जाना आवश्यक है ताकि वे अपने एल्गोरिदम के माध्यम से ऐसी सामग्री को प्रवर्धित न होने दें। साथ ही, फास्ट कोर्ट का गठन कर सार्वजनिक हस्तियों द्वारा समाज को भड़काने वाले मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा के भीतर पूरी की जानी चाहिए। अंततः, कानूनी उपायों के साथ—साथ समाज में डिजिटल साक्षरता और तथ्य—जांच (फैक्ट—चेकिंग) की संस्कृति को बढ़ावा देना भी उतना ही जरूरी है, ताकि देश की जनता स्वयं जागरूक होकर किसी भी एजेंडे या झूठ का शिकार होने से बच सके।

विकास के साथ रोजगार और सुरक्षा की चुनौती

—उमेश चतुर्वेदी—

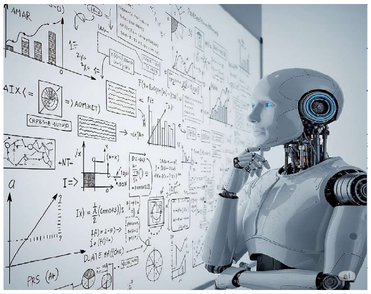

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैस राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैंस

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34ः बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंस यू एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैस यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंस दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैस राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

एलन मस्क के इशारे पर सीजेपी का आंदोलन, बृजभूषण शरण सिंह बोले– देश के खिलाफ षड्यंत्र

संवाददाता–गोण्डा। पूर्व भाजपा सांसद बाहुबली बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली में आयोजित क्राकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इस आंदोलन के पीछे एलन मस्क का हाथ है। उसी के इशारे पर यह किया जा रहा है। उन्होंने इसे देश के खिलाफ षड्यंत्र भी बताया। कहा कि यह लोग अब देश की तुलना बांग्लादेश और पाकिस्तान से कर रहे हैं। पहली बार मार्च के जरिए सुप्रीम कोर्ट को धमकाने की कोशिश की गई। गोंडा में पत्रकारों से बात करते हुए बृजभूषण शरण सिंह से जब दिल्ली में सीजेपी के तिरंगा यात्रा को लेकर सवाल किया गया तो वह पहले एलन मस्क का नाम ही भूल गए। कहा कि कोई मयस्क नाम का अमेरिकी व्यापारी है। पत्रकारों से ही सवाल पूछ लिया कि नाम सुने हैं? जब पत्रकारों ने कहा कि एलन मस्क? तो बोले, हां हां वही। उसी के इशारे पर यह आंदोलन हो रहा है। यह हमारे देश के खिलाफ बहुत बड़ा षड्यंत्र है। यह जो विदेशी है, यह हमारे यहां अपनी शर्तों पर व्यापार करना चाहता है।

बृजभूषण ने बिना कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए उन पर भी इशारों में बड़ा हमला बोला। कहा कि अब आंदोलन के बहाने हमारे देश की तुलना बांग्लादेश और पाकिस्तान से होने लगी है। कांग्रेस के मार्च पर कहा कि इस देश में पहली बार सुप्रीम कोर्ट को धमकाने के नाम पर मार्च निकाला गया। ऐसा कभी नहीं हुआ था। पिछले हफ्ते राहुल गांधी के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था।

इससे पहले गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और दिल्ली में जारी विरोध–प्रदर्शन को लेकर बृजभूषण सिंह ने विपक्ष को नसीहत भी दी थी। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगने के बजाय विपक्ष को जनता के बीच जाना चाहिए। चुनाव जीतकर आने के बाद कानून में बदलाव किया जा सकता है। उनके मुताबिक, केवल मांग उठाने भर से संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के इस्तीफे नहीं होने चाहिए। इससे पहले गुरुवार को बृजभूषण शरण सिंह उन्नाव पहुंचे। कहा कि यहां पर उनके पूर्वज रहे हैं। उनकी जड़ों की तलाश करने की बात कही। इस पर उनके यहां से चुनाव लड़ने की चर्चाओं को बल मिला। इस पर कहा कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं, बल्कि अपनी पूर्वजों की जन्मभूमि से जुड़ाव तलाशना है।

शहर के दुर्गा मंदिर से निकली बिल्वा निमंत्रण यात्रा, युवाओं ने किया कला का प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। शहर के दुर्गा मंदिर प्रांगण से मां दुर्गा के आह्वान के लिए श्री–श्री दुर्गा पूजा बजरंग अखाड़ा के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने बिल्वा निमंत्रण यात्रा निकाली। शहर के देवी–देवताओं के मंदिर में विधि–विधान से पूजन कर उन्हें पंडाल में आने के लिए निमंत्रण दिया। चौराहों पर खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया। बिल्वा निमंत्रण यात्रा दुर्गा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर कालेज रोड होते हुए मऊफाटक स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची। वहां पर पुजारी अवधेश पांडेय और कृष्ण मुरारी त्रिपाठी ने विधि–विधान से कलश पूजन कर मां को पंडाल में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया।

यहां से यात्रा शहर के सक्सेना चौराहा,अमरूतिया हनुमान के बाद फरेंदा रोड स्थित रामजानकी मंदिर पहुंची। श्रद्धालुओं ने देवी–देवताओं को निमंत्रण देने के बाद यात्रा दुर्गा मंदिर परिसर पहुंची और धार्मिक अनुष्ठान के साथ सम्पन्न हुई। यात्रा में दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार टिबड़ेवाल, महामंत्री रमाशंकर गुप्त, कोषाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, कैलाश नाथ गुप्ता, बृजमोहन गुप्ता, राजन सिंह, राजकुमार गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, किशन कुमार गुप्ता, प्रांजल गुप्ता, कमलेश मोदनवाल और उमाशंकर शर्मा सहित मंदिर समिति के अन्य पदाधिकारियों के अलावा अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

फार्मासिस्टों ने चार मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन की जिला कार्यकारिणी ने जिला अध्यक्ष रोहित मिश्रा के नेतृत्व में नायब तहसीलदार मोहम्मद रियाज को ज्ञापन सौंपा। इसमें सीएचओ के साथ फार्मासिस्ट की अनिवार्य तैनाती, संविदा फार्मासिस्टों का नियमितीकरण, रिक्त पदों पर भर्ती और सभी उपकेंद्रों पर पद सृजन की मांग की गई। प्रतिनिधि मंडल में अंशुमान मिश्रा, संजय अवस्थी, सनत कुमार पांडे, गोपाल साहू, आदर्श शुक्ला, अनुराग तिवारी, अंकित तिवारी, बृजभूषण पांडेय, विशाल शुक्ला, राजू विश्वकर्मा, महेश साहू, आलोक मिश्रा, हिमांशु शुक्ला शामिल रहे।

फंदे से लटककर नवविवाहिता ने दी जान

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के मेहरबानबाद खास गांव में शुक्रवार को 21 वर्षीय नवविवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष अजय कुमार तिवारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि मेहरबानबाद खास चौकी माधवपुर निवासी रचना उर्फ मनचली पत्नी विनय कुमार उर्फ पंचम ने फंदे पर लटककर जान दे दी है। युवती की शादी इसी साल अप्रैल माह में हुई थी। उसका पति विनय तीन माह पूर्व रोजी रोटी के सिलसिले में अहमदाबाद गया था वहीं नौकरी करता है। घर में जेठ, जेठानी, सास व ससुर मौजूद थे।

प्रसव पीड़ा के बीच महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल पर किया हंगामा

संवाददाता–देवरिया। शहर के गोरखपुर रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में प्रसव पीड़ा के बीच शुक्रवार को एक महिला की मौत हो गई। उसके बाद परिवार के लोगों ने अस्पताल गेट पर शव रखकर हंगामा किया। परिजन चिकित्सकों पर कार्रवाई व अस्पताल सील करने की मांग कर रहे थे। कोतवाली पुलिस के समझाने के बाद आक्रोशित परिजन किसी तरह शांत हुए। गौरीबाजार थाना क्षेत्र के सुपरी बुजुर्ग की रहने वाली सोनी (24) पत्नी अमर गोंड गर्भवती थीं। प्रसव पीड़ा होने पर परिजन शुक्रवार की सुबह गोरखपुर रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां 15 हजार रुपये लेने के बाद अस्पताल प्रशासन ने नार्मल प्रसव कराने का आश्वासन दिया।

परिजनों का आरोप है कि दोपहर को अस्पताल प्रशासन की तरफ से यह बताया गया कि एक लाख रुपये लगेंगे और ऑपरेशन होगा। इसके बाद परिजनों ने इन्तजाम कर वह भी रुपया दे दिया। आपरेशन के पहले ही सोनी की मौत हो गई। चिकित्सक ने हालत बिगड़ने की बात कहते हुए एक एबुलेंस मंगाकर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज ले जाने की बात कही। जब परिजन सोनी को लेकर मेडिकल कालेज पहुंचे तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग शव लेकर अस्पताल पहुंच गए और गेट पर रख कर हंगामा करने लगे। उनका कहना था कि चिकित्सक की लापरवाही से सोनी की मौत हुई है। परिजनों का कहना था कि आशा कार्यकर्ता उन्हें लेकर प्राइवेट अस्पताल में आई है जबकि वह मेडिकल कालेज जाने की बात कह रहे थे। दो घंटे तक हंगामा होता रहा। पुलिस के समझाने के बाद मामला शांत हो सका।

महिला ने पति संग मिलकर प्रेमी की तार से गला घोंटकर की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। बस्ती जिले के निवासी आकाश की हत्या मामले का मटेरा पुलिस ने राजफाश कर दिया है। मामले में हत्यारोपी भी गिरफ्तार हो गए हैं। श्रावस्ती निवासी प्रेमिका ने सुनियोजित तरीके से आकाश को घर बुलाकर पति और अन्य परिवारजन के सहयोग से मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने हत्यारोपित दंपती को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बस्ती जिले के रुधौली गंधरिया बुजुर्ग निवासी आकाश कसौंधन का श्रावस्ती मल्हीपुर शिकारी चौड़ा गांव निवासी पूनम से प्रेम प्रसंग चल रहा था। एसओ प्रेमपाल सिंह ने बताया कि महिला का पति राजकुमार गुप्ता इससे नाराज रहता था। इसके बाद उसने पत्नी व अन्य परिवारजन के सहयोग से प्रेमी आकाश को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

10 अक्टूबर की रात लगभग 7:30 बजे पूनम के माध्यम से आकाश को अपने घर शिकारी चौड़ा मल्हीपुर बुलवाया। इस दौरान राजकुमार गुप्ता, पत्नी पूनम, ससुर फूलचंद व भाई अनुज के साथ मिलकर बिजली के तार से उसका गला दबाना शुरू किया। जान बचाने के लिए आकाश संघर्ष करने लगा तो उसे डंडे से पीटकर मार डाला। इसके बाद शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर बोलेरो वाहन से मटेरा के ग्राम लीलापारा स्थित पीपरहवा नहर पुल से पानी में फेंक दिया गया। एसओ ने बताया कि मामले में आरोपितों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर दंपती को गिरफ्तार कर अन्य की तलाश की जा रही है।

एक दिन की डीपीआरओ बनीं संगम, साक्षी ने संभाली बीएसए की कुर्सी

संवाददाता–महराजगंज। प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन शुक्रवार को जिले में बालिका सशक्तिकरण की मिसाल देखने को मिली। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय फरेंदा की दो छात्राओं को एक दिन के लिए जिले के शीर्ष प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। 11वीं कक्षा की छात्रा संगम ने एक दिन की डीपीआरओ बनकर जनसुनवाई की। वहीं कक्षा आठवीं की छात्रा साक्षी ने एक दिन की बीएसए के रूप में विभागीय अभिलेखों की बारीकियों को समझा और जनसमस्याओं का निस्तारण किया। डीपीआरओ बनी छात्रा ने मौके पर ही मंजूर किया मृत्यु प्रमाण पत्र

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय फरेंदा की 11वीं कक्षा की छात्रा संगम को एक दिन के लिए डीपीआरओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। जनसुनवाई करते हुए छात्रा ने एक फरियादी के प्रार्थना पत्र पर मृत्यु प्रमाण पत्र का अनुमोदन किया। डीपीआरओ श्रेया मिश्रा ने संगम का स्वागत कर उन्हें अपनी कुर्सी पर बैठाया। इस मौके पर बीएसए सुरजीत सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी व एआर कोआपरेटिव सुनील गुप्ता भी मौजूद रहे। डीपीआरओ से विभागीय कार्यप्रणाली समझने के बाद छात्रा संगम ने जनसुनवाई शुरू की। जनसुनवाई के दौरान घुघली के कोटवा निवासी एक युवक ने दादा की मृत्यु के बाद भी मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने की शिकायत की। संगम ने तुरंत पत्रावली देखकर मौके पर ही प्रमाण पत्र जारी करने का अनुमोदन किया। वहीं नरकटहा निवासी ग्रामीण की शिकायत पर संगम ने पंचायत सचिव से फोन पर बात कर विद्यालय व पंचायत सचिवालय की प्रगति जानी और नाली निर्माण की समस्या का प्राथमिकता पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। संगम ने त्योहारों पर विशेष सफाई अभियान चलाने और विद्यालयों में दिव्यांग शौचालयों के निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अंत में उन्होंने अधिकारियों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स भी लिए।

कतर्नियाघाट में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

संवाददाता–बहराइच। बिछिया बहराइच कतर्नियाघाट वन्य प्रभाग के कतर्नियाघाट रेंज अंतर्गत पिछले माह 7 सितंबर 2026 को आनंद नगर बड़खड़िया निवासी राजवीर पुत्र राजू की तेंदुए के हमले में मौत हो गई थी। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल था और ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ काफी आक्रोश था। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने गांव के पास पिंजरा लगाया था। बृहस्पतिवार रात करीब 11:30 बजे तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इसी बीच तेन्दुए ने कई मवेशीयों को शिकार भी कर रहा था। जिससे ग्रामीण काफी दहशत में थे। सूचना पर रेंजर आशीष गौड़ के नेतृत्व में डिप्टी रेंजर मयंक पांडे, वन दरोगा राधेश्याम, वन रक्षक कौशल किशोर व अन्य टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को सुरक्षित रेंज कार्यालय लाया गया। रेंजर आशीष गौड़ ने बताया कि डीएफओ के आदेश के बाद स्वास्थ्य परीक्षण कराकर तय किया जाएगा कि तेंदुए को कहां छोड़ा जाएगा।

बैकुंठपुर गांव में हत्या का आरोप लगा आरोपी के दरवाजे पर शव रख प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में भूमि विवाद में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद गुरुवार देर रात से तनाव की स्थिति बनी हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपी के दरवाजे पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। शुक्रवार सुबह दस बजे तक करीब 12 घंटे से प्रदर्शन जारी रहा। परिजन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी करने और विवादित जमीन दिलाने की मांग पर अड़े हैं। पुलिस परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन वे अंतिम संस्कार करने को तैयार नहीं हैं। बैकुंठपुर निवासी कलिंदर यादव (41) पुत्र बंका यादव का घर के सामने जमीन को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। आरोप है कि बुधवार की सुबह विवादित जमीन पर कुछ लोगों ने घास–फूस रख दिया। इसका कलिंदर यादव के परिवार के लोगों ने विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और धक्का–मुक्की होने लगी। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान कलिंदर यादव के साथ मारपीट की गई, जिससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े।

परिजन उन्हें उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार देर रात पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो आक्रोशित परिजनों ने शव आरोपी के दरवाजे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

परिजनों का कहना है कि जिस जमीन के विवाद में कलिंदर यादव की जान गई, वह जमीन उन्हें दिलाई जाए और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की जाए। शुक्रवार सुबह तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। पुलिस परिजनों को समझाकर मामला शांत कराने में जुटी रही। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। परिजनों की ओर से तहरीर भी दी गई है।

छात्रा पिंकी कुमारी बनी थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर की कुर्सी पर बैठते ही की जनशिकायतों की सुनवाई

संवाददाता–गोण्डा। जिले में मिशन शक्ति के तहत तरबगंज थाना में गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रा पिंकी कुमारी को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया गया। इंस्पेक्टर की कुर्सी पर ही पिंकी ने शिकायतें सुनीं। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी नितेश सिंह व सीओ उमेश्वर प्रभात सिंह के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव व हेल्पलाइन 1090, 1076, 112 व 1930 के बारे में जानकारी दी। बाद में पिंकी कुमारी को थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठाकर जनशिकायतों की सुनवाई कराई गई। इस दौरान विद्यालय की वार्डन आशा पांडेय मौजूद रहीं। प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

करनैलगंज में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एंटी रोमियो और मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षित टंडन के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल और व्यक्तिगत डेटा साझा करने से जुड़े खतरों से सचेत करते हुए डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके समझाए गए। इस मौके पर उप निरीक्षक दीन बंधु राय, उप निरीक्षक शशांक मौर्य, कांस्टेबल अभय मिश्रा, गौरव सिंह, रवि प्रकाश, महिला कांस्टेबल मोनी सिंह और महिला आरक्षी आशी मिश्रा सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

शारदीय नवरात्र के अवसर पर गुरुवार को स्थानीय पुलिस द्वारा एक निजी इंटर कालेज में मिशन शक्ति अभियान के तहत करियर गाइडेंस एवं साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की। इसमें छात्र–छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से जुड़ने और महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल राय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

सड़क हादसे में भारतीय सेना के पूर्व सैनिक की दर्दनाक

संवाददाता–देवरिया। ड्यूटी पर जा रहे सेना से सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक की शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में मौत हो गई। सलेमपुर–देवरिया मुख्य मार्ग पर बिगही गांव के सामने डाइवर्जन के पास तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सड़क पर गिरे पूर्व सैनिक पिकअप की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए देवरिया भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के सेमरा घुसरी गांव निवासी रामाश्रय यादव भारतीय सेना से करीब 2 वर्ष पहले सेवानिवृत्त हुए थे। सेना में नौकरी के दौरान ही उन्होंने सलेमपुर उपनगर के वार्ड नंबर 12 स्थित परशुराम धाम में मकान बनवा लिया था। वह परिवार के साथ वहीं रहते थे। सेवानिवृत्ति के बाद देवरहवा बाबा मेडिकल कॉलेज में गार्ड की नौकरी करने लगे थे।

प्रतिदिन की तरह शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे वह स्कूटी से ड्यूटी के लिए देवरिया जा रहे थे। बिगही गांव के सामने सड़क पर बने डाइवर्जन के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और पिकअप की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर देवरिया स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया। सड़क हादसे में मारे गए रामाश्रय यादव की पत्नी रीमा और दो बच्चे बेसहारा गए हैं। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक शमशेर यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शहर के सभी छठ घाटों पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगी नपा

संवाददाता–महराजगंज। छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। नगर पालिका प्रशासन सभी छठ घाटों पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगी। घाटों पर आरओ प्लांट लगाएगी। जहां प्लांट लगाने के लिए जगह नहीं मिलेगा, वहां पर पानी टैंकर की व्यवस्था करेगी। इसके लिए कोशिश तेज कर दी है। 75 हजार आबादी वाले नगर पालिका परिषद महराजगंज में 25 वार्ड है। इन वार्डों के करीब 32 छठ घाट है। करीब सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। श्रद्धालुओं को छठ घाट पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने पहल की है। इसके लिए सभी छठ घाटों पर आरओ प्लांट लगाएगी। इसके लिए जगह चिह्नित करने का कार्य शुरू कर दिया है। जहां बेहतर जगह नहीं मिलेगी, उस छठ घाट पर पानी टैंक की व्यवस्था करेगी। नगर पालिका प्रशासन श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ ही छठ घाटों पर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाएगी। इसके लिए नपा बिजली यूनिट को पर्याप्त मात्रा में एलईडी स्ट्रीट लाइट तार व बांस–बल्ली की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी है।

फॉरेस्ट रोड नहीं बनी तो वोट नहीं, ग्रामीणों ने दी चेतावनी

संवाददाता–महराजगंज। मोहनापुर ढाला से सिंहपुर थरौली तक फॉरेस्ट रोड निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है।

शुक्रवार को कलक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारी को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने दो टूक कहा कि सड़क नहीं बनी तो वोट नहीं देंगे। जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के अभाव में क्षेत्रवासियों को आवागमन में दुश्वारियां झेलनी पड़ रही हैं। जनहित में मोहनापुर ढाला से सिंहपुर थरौली व फॉरेस्ट रोड का निर्माण जरूरी है, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

उन्होंने संबंधित विभाग से तत्काल जांच कराकर सड़क निर्माण की दिशा में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि निर्माण कार्य शुरू होना चाहिए। अगर मांग पूरी नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान रमेश यादव, इरफान अहमद, राधेश्याम, रामधनी गुप्ता, उपेंद्र चौरी, घनश्याम गुप्ता, उग्रसेन चौधरी, शेषु शर्मा, इंद्रेश सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

रक्तदान कर प्रधानों ने पेश की मानवता की मिसाल

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–अयोध्या मार्ग पर शुक्रवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। झंझरी प्रमुख प्रतिनिधि आशीष मिश्रा ने रक्तदान कर शुभारंभ किया। इसके बाद दर्जनभर से अधिक ग्राम प्रधानों ने रक्तदान किया। बीडीओ झंझरी जेएन राव ने इसे सामाजिक दायित्व निभाने की मिसाल बताया। शिविर में छात्र संघ अध्यक्ष उमेश शुक्ला, सोनू शुक्ला, मोनू सिंह, शिवम तिवारी, सुधीर श्रीवास्तव, डब्बू तिवारी, उदय राज, दिव्यांशु शुक्ला और डॉ. सत्य प्रकाश विश्वकर्मा मौजूद रहे।

रुपये के विवाद में कलयुगी बेटे और बहू ने माता–पिता को लाठी–डंडों से पीटा, मां का टूटा हाथ

संवाददाता–देवरिया। बसंतपुर गांव में वाहन खरीदने के लिए दिए गए रुपये को लेकर हुए विवाद में बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर अपने ही वृद्ध माता–पिता पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में बुजुर्ग मां का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी दंपती मारपीट करने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और घर से निकालने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता सोनी देवी के अनुसार, उन्होंने अपने बड़े बेटे रामप्रवेश को गाड़ी खरीदने के लिए 58 हजार रुपये दिए थे। आरोप है कि छोटे बेटे बलिस्टर ने उन रुपयों से बाइक खरीद ली। रुपये को लेकर विवाद होने पर बलिस्टर और उसकी पत्नी करीना ने एकराय होकर उनके और उनके पति के साथ मारपीट की। हमले में दोनों घायल हो गए, जबकि सोनी देवी का हाथ टूट गया। थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपित बलिस्टर और उसकी पत्नी करीना के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

नवरात्र पर महानगरवासियों को 161.67 करोड़ के बढ़े बजट का तोहफा

संवाददाता-गोरखपुर। नवरात्र के मौके पर महानगरवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाओं की उम्मीद के साथ नगर निगम ने विकास कार्यों के लिए बजट का दायरा बढ़ा दिया है। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, जलभराव वाले मोहल्लों में जलनिकासी और पेयजल-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के पुनरीक्षित बजट में मूल बजट के मुकाबले 161.37 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। शुक्रवार को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में 1485.32 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित बजट को मंजूरी दी गई। इसमें सबसे ज्यादा 82.68 करोड़ रुपये सार्वजनिक निर्माण मद में बढ़ाए गए हैं।

महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि बजट में बढ़ोतरी से सड़कों, नाली-नालों और शहर की दूसरी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं को गति मिलेगी। दिसंबर में विधानसभा चुनाव की संभावित आचार संहिता लागू होने से पहले बजट को मंजूरी मिलने से विकास कार्यों की तैयारी और टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता भी साफ हुआ है। उम्मीद है कि जर्जर सड़कों, जलभराव और सफाई की समस्याओं से जूझ रहे लोगों अतिरिक्त बजट से राहत मिलेगी। बैठक में नगर आयुक्त अजय जैन, कार्यकारिणी के सभी सदस्य, लेखाधिकारी नागेंद्र सिंह, अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता अमित शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महानगर में सड़क और नाली निर्माण की जरूरतों के मद्देनजर सार्वजनिक निर्माण मद का बजट बढ़ा दिया है। मूल बजट में इस मद के लिए 738.77 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे पुनरीक्षित बजट में बढ़ाकर 821.45 करोड़ रुपये कर दिया है। इसमें 82.68 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि जोड़ी गई है। हालांकि, बढ़ी हुई धनराशि से शहर के किन क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर राहत मिलेगी, यह संबंधित परियोजनाओं के चयन, स्वीकृति और क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा।

मूल बजट में स्वास्थ्य एवं सफाई मद के लिए 60.21 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे पुनरीक्षित बजट में बढ़ाकर 80.17 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस मद में 19.96 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि जोड़ी गई है। इससे नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन, स्वच्छता संबंधी कार्यों एवं त्योहारों पर संसाधन बढ़ने की उम्मीद है।

पेयजल आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 66.76 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे पुनरीक्षित बजट में बढ़ाकर 81.31 करोड़ रुपये किया गया है। 14.55 करोड़ रुपये अतिरिक्त आवंटित हुए हैं। इससे महानगर के विस्तारित क्षेत्रों और पेयजल संकट से जूझ रहे वार्डों में जरूरत के मुताबिक काम कराने के लिए संसाधन बढ़ेंगे।

सीएम योगी रविवार से मंगलवार तक विशिष्ट अनुष्ठान व आराधना में लीन रहेंगे, गोरखपीठ में होगी महानिशा पूजा

संवाददाता-गोरखपुर। शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन तपोस्थली गोरखपीठ में शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा से जारी आध्यात्मिक अनुष्ठान रविवार से अपने सबसे विशिष्ट और पावन पड़ाव की ओर अग्रसर होंगे। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार से मंगलवार तक अनवरत तीन दिनों तक विशेष अनुष्ठान, पूजन और पारंपरिक उत्सवों में लीन रहेंगे। अष्टमी (रविवार, 18 अक्टूबर) की शाम वह गोरक्षपीठ के पारंपरिक निशा पूजा में सम्मिलित होंगे जबकि सोमवार (19 अक्टूबर) को नवमी तिथि पर उनके द्वारा कन्या पूजन का अनुष्ठान किया जाएगा। नवरात्र की पूर्णता के बाद दशहरे के दिन मंगलवार (20 अक्टूबर) को गुरु गोरक्षनाथ की विशिष्ट पूजा कर गोरक्षपीठाधीश्वर, गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे।

शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा को गोरक्षपीठाधीश्वर ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में कलश स्थापना की थी। इसके बाद से नियमित नवरात्र पूजन के अनुष्ठान उनके प्रतिनिधि के रूप में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ द्वारा किए जा रहे हैं। अष्टमी की तिथि के मान से लेकर विजयादशमी तक गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ स्वयं आराधना व आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के लिए उपस्थित रहेंगे। गोरक्षपीठाधीश्वर रविवार (18 अक्टूबर) को नवरात्र की अष्टमी तिथि में विधि विधान से महानिशा पूजन व हवन कर लोक मंगल की प्रार्थना करेंगे। गोरक्षपीठ में सोमवार (19 अक्टूबर) को पूर्वाह्न 11 बजे से मातृ शक्ति के प्रति श्रद्धा व सम्मान के प्रतीक के रूप में कन्या पूजन का अनुष्ठान होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कन्या पूजन कर मातृ शक्ति के प्रति गोरक्षपीठ की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

गोरक्षपीठाधीश्वर नौ दुर्गा स्वरूपा नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारेंगे, उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत का तिलक लगा विधि विधान से पूजन करेंगे। पूरी श्रद्धा से भोजन कराकर दक्षिणा व उपहार देकर उनका आशीर्वाद भी लेंगे। इस दौरान परंपरा के अनुसार बटुक पूजन भी किया जाएगा। जबकि मंगलवार (20 अक्टूबर) को महायोगी गोरखनाथ जी के विशिष्ट पूजन व गोरक्षपीठाधीश्वर के तिलकोत्सव के बाद सायंकाल विजयादशमी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

दशहरे के दिन गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली विजयादशमी शोभायात्रा गोरखपुर की उत्सवी परंपरा का खास आकर्षण है। इस शोभायात्रा में सामाजिक समरसता देखने को मिलती है। इस शोभायात्रा में हर वर्ग के लोग तो शामिल होते ही हैं, इसका अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम व बुनकर समाज) के लोगों द्वारा भव्य स्वागत भी किया जाता है।

तीन पीढ़ियों से विजयादशमी शोभायात्रा का स्वागत करने वाले उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के पूर्व चेयरमैन चौधरी कैफुलवरा बताते हैं कि मंदिर के मुख्य द्वार से थोड़ी दूर पर हम लोग घंटों पहले फूलमाला लेकर गोरक्षपीठाधीश्वर के स्वागत को खड़े रहते हैं।

गोरक्षपीठ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी के दिन मंगलवार (20 अक्टूबर) सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। पीठाधीश्वर गुरु गोरखनाथ का आशीर्वाद लेकर अपने वाहन में सवार होंगे। तुरही, नगाड़े व बैंड बाजे की धुन के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी। यहां पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना करेंगे।

इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां चल रही रामलीला में वह प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी जाएगी। यही नहीं विजयादशमी के दिन गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद भी देंगे। विजयादशमी के दिन शाम को गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत भोज का भी आयोजन होगा जिसमें अमीर-गरीब और जाति-मजहब के विभेद से परे बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग शामिल होंगे।

राम मंदिर के 150 में 148 निर्माण कार्य पूरे, ट्रस्ट को किया हैंडओवर

संवाददाता-अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में कुल 150 निर्माण कार्यों में से 148 पूरे हो चुके हैं। इन्हें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि मंदिर के बाहरी घेरे यानी परकोटे का निर्माण मुख्य काम है, जिसे अभी ट्रस्ट को सौंपा जाना बाकी है। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि परकोटे और मंदिर के सामने के हिस्से में रोशनी का काम 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मंदिर निर्माण समिति की तीन दिन की बैठक के दूसरे दिन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के बाद नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि बारिश के कारण परकोटे की छत पर वॉटर ट्रीटमेंट का काम प्रभावित हुआ है मौसम बेहतर होने पर यह काम पूरा किया जाएगा

नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि दिवाली के दौरान मंदिर की भव्यता और इसकी बनावट की खूबसूरती के मुताबिक रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। परकोटे और मंदिर के सामने के हिस्से में लाइटिंग का काम 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा, लार्सन एंड टुब्रो संबंधित दस्तावेज, नक्शे, डिजाइन और वित्तीय जानकारी को अंतिम रूप देने के बाद पूरे हो चुके काम ट्रस्ट को सौंपती है। इसके बाद ट्रस्ट के परियोजना इंजीनियरों की टीम काम का निरीक्षण करती है और फिर उसे स्वीकार करती है। समिति ठेकेदारों के भुगतान और दूसरे वित्तीय मामलों की भी समीक्षा कर रही है। मंदिर परिसर के बाहर बनाए जा रहे सभागार और संग्रहालय के काम की प्रगति पर भी चर्चा की जाएगी।

नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि विजय स्तंभ और शहीद स्मारक का निर्माण पूरा हो चुका है। इन जगहों पर कुछ लैंडस्केपिंग और बागवानी का काम बाकी है। समिति निर्माण स्थलों का निरीक्षण भी करेगी। इसका मकसद काम की रफ्तार का आकलन करना और ठेकेदारों के सामने आ रही दिक्कतों को दूर करना है।

राम मंदिर परियोजना अयोध्या भूमि विवाद में सुप्रीम कोर्ट के 9 नवंबर, 2019 के फैसले के बाद शुरू हुई। फैसले में विवादित जमीन मंदिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट को सौंपने और मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन देने का आदेश दिया गया था। इसके बाद मंदिर निर्माण की देखरेख के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाया गया।

छात्रा श्रेया बनीं एक दिन की जिलाधिकारी, बोलीं- मुझे भी करना है देश सेवा

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठी श्रेया के चेहरे पर आत्मविश्वास झलक रहा था। सामने जिले के अधिकारी थे और उनके समक्ष जनसमस्या के समाधान की जिम्मेदारी। जिस प्रशासनिक पद पर पहुंचने का सपना वह बचपन से देख रही हैं, शुक्रवार को उसी कुर्सी पर बैठकर उन्होंने कामकाज का अनुभव प्राप्त किया। मिशन शक्ति के तहत बांसी विकास खंड के पचहरी गांव की मेधावी छात्रा श्रेया को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने एक दिन का जिलाधिकारी बनाया और उन्हें दायित्व सौंपा। इस अवसर पर जिले के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एक दिन की जिलाधिकारी के समक्ष बांसी क्षेत्र के केसवार गांव के रामनरेश केवट ने भूमि विवाद से जुड़ी समस्या रखी। उन्होंने गाटा संख्या 112 पर दूसरी मंजिल की छत ढालने की अनुमति मांगी। उनके अनुसार, भूमि विवाद के कारण दो वर्ष आठ महीने से स्थगन आदेश लागू है। इससे 20 से 23 परिवार प्रभावित हैं।

पहली मंजिल का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन छत न ढल पाने से निर्माण सामग्री और दीवारें खराब हो रही हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से निर्माण की अनुमति देने का अनुरोध किया। श्रेया ने प्रार्थना पत्र उप जिलाधिकारी, बांसी को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

श्रेया ने इसी वर्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की दसवीं की परीक्षा में प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज से दसवीं की पढ़ाई पूरी की। वर्तमान में वह बुद्ध विद्यापीठ इंटर कालेज, बर्डपुर में कक्षा 11 की छात्रा हैं। श्रेया ने बताया कि बचपन से ही उनका लक्ष्य सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की सेवा करना है। इसके लिए वह अभी से तैयारी में जुटी हैं और आगे भी इसी दिशा में बढ़ना चाहती हैं।

श्रेया के पिता कृष्णनाथ पाण्डेय बेटी को जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठा देखकर बेहद उत्साहित हैं। वह रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में संस्कृत के अध्यापक हैं। उन्होंने कहा कि असली खुशी उस दिन होगी, जब उनकी बेटी वास्तव में जिलाधिकारी बनकर इस कुर्सी पर बैठेगी। मां अनीता पाण्डेय भी बेटी की उपलब्धि से प्रसन्न हैं। उनका सपना है कि श्रेया एक दिन जिलाधिकारी बनकर देशसेवा करे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0-D202617630000306
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0-2006
अदालत- श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय सिद्धार्थनगर जिला सिद्धार्थनगर

सिराजुलहक हनीस चौधरी
बनाम
सरकार उ0प्र0

साकिन धन्धरा तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

1. फारूक आजम चौधरी 2. फिरोज अहमद चौधरी 3. फैज अहमद चौधरी 4. जुबैर अहमद चौधरी पुत्रगण अब्दुल कुदुस 5. ताजरुन्निशा पत्नी अब्दुल कुदुस 6. अब्दुल माबूद पुत्र मो0 यासीन 7. अब्दुल खालिक पुत्र मो0 यासीन 8. जहीरुद्दीन 9. सलाहुद्दीन 10. कलाम पुत्रगण मो0 अकरम 11. मैमुन्निशा पत्नी मो0 अकरम 12. मो0 असलम पुत्र अली रजा समस्त निवासीगण ग्राम धन्धरा तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22-10-2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्स हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 574/2025
न्यायालय- श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान-नौगढ़ जिला-सिद्धार्थनगर

सूरज
बनाम
भानुप्रताप सिंह आदि

1. भानुप्रताप सिंह पुत्र इन्द्रजीत सिंह साकिन सौरहवां तप्पा देवाईचपार परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला- सिद्धार्थनगर 2. विजय बहादुर पुत्र शोभाराम साकिन मुड़िला तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला- सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी- 24-11-2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24-11-2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को आप न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 436/2026

1- महन्थ पंकज दास उम्र 32 वर्ष सादिक चेला स्व0 महन्थ कृष्णमणि दास मंदिर श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर भारतभारी पता नगर पंचायत भारतभारी वार्ड नं0-7 भरतनगर तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला-सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

तारीख पेशी- 21.12.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने गुरु/चेला मृतक महन्थ कृष्णमणि दास को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 12 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 10 के 15 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राथमिक विद्यालय- पोखरा, विकास क्षेत्र- कप्तानगंज, जिला- बस्ती के परिसर में स्थित सागौन 01 पेड़ हरा, यूकेलिप्टस 04 पेड़ हरा, चिलबिल 01 पेड़ हरा व यूकेलिप्टस 05 पेड़ गिरा यानी कुल 11 पेड़ों की सार्वजनिक नीलामी 23 अक्टूबर 2026 को दिन में 11 बजे से आयोजित किया गया है। नीलामी की कार्यवाही मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सम्पन्न कराई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित समय पर आवश्यक अभिलेख एवं नियमानुसार शुल्क के साथ उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है। सफल बोलीदाता को वन विभाग एवं प्रचलित नियमों के अनुसार आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करनी होंगी। विस्तृत जानकारी के लिए प्राथमिक विद्यालय- पोखरा, विकास क्षेत्र- कप्तानगंज से विद्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय- पोखरा
जनपद- बस्ती।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत- श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0-
क0 वाद सं0-C202517000001551

लालमनि
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि

1. सरकार उ0प्र0 2. लालबहादुर वर्मा 3. राम भरोस वर्मा पुत्रगण मोतीलाल साकिनान भेलमापुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. ग्राम पंचायत जरिये प्रधान 5. श्यामपती पत्नी मोतीलाल साकिनान भेलमापुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 23-10-2026

अपील बनराजी अदालत मुख्य राजस्व अधिकारी मुकाम बस्ती मयरिखा 12 महीना 11 सन् 2025 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपकी वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 16 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

नशीली चाय पिलाकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर को लूटा, गोंडा के दो शातिर गिरफ्तार

संवाददाता-अंबेडकरनगर। अयोध्या एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार शाम घर जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे हंसवर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकित कुमार को लिफ्ट देकर चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उनका कीमती सामान लूटकर इब्राहिमपुर के मठिया गांव के पास छोड़ दिया। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गोंडा के दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर पूरा सामान बरामद कर लिया। एसपी प्राची सिंह ने टीम को 20 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है। गिरफ्तार आरोपियों में गोंडा जिले के नवाबगंज क्षेत्र के हतवा गांव निवासी भोला उर्फ उमेश केवट और अशोक उर्फ मैनू उर्फ रामनारायण शामिल है। इंस्पेक्टर बीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वारदात में प्रयुक्त अपाचे बाइक पर कूटरचित नंबर प्लेट लगाई गई थी और उसका इंजन नंबर भी खुरचा गया था।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0-442/2021

गौरीशंकर
बनाम
रामसुमेर आदि

4. संगीता पत्नी रामलछिमन 5. श्रीमती चन्द्रावती पत्नी चन्द्रभान 6. वालगोविन्द पुत्र श्यामलाल 7. सन्तराम पुत्र श्यामलाल 8. राजनरायन पुत्र श्यामलाल साकिनान मौजा गौरा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18-11-2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 18 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज के जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

रोडवेज बस की चपेट में आने से छह वर्षीय बालक की मौत, परिजनों ने किया सड़क जाम

संवाददाता-संतकबीरनगर। मेंहदावल रोडवेज परिसर में शुक्रवार दोपहर बस की चपेट में आने से छह वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना से नाराज परिजनों ने परिसर में धरना दिया और रोडवेज के बाहर सड़क जाम कर दिया। वे बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। सूचना मिलने पर एसडीएम, सीओ समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, रोडवेज तिराहा निवासी राजदेव का छह वर्षीय पुत्र दिपांश परिसर में स्थापित दुर्गा प्रतिमा के पास गया था। इसी दौरान रोडवेज बस का चालक वाहन को पीछे कर रहा था। तभी बालक बस की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बालक की मौत की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना से आक्रोशित परिवार और आसपास के लोगों ने रोडवेज परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए और रोडवेज के बाहर सड़क जाम कर दिया। परिजनों की मांग थी कि हादसे के जिम्मेदार बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। चालक पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे परिजनसड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित हुआ। सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। हालांकि, परिजन चालक पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे। मिली जानकारी के अनुसार, शाम करीब साढ़े चार बजे तक परिजन सड़क जाम किए हुए थे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

न्यायालय-न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेंहदावल संत कबीर नगर उ0प्र0 भारत।
विपक्षी व्यक्ति को नोटिस
(भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 144 के तहत)
वाद स0-7/26
थाना-धर्मसिंहवा
धारा 144 (3) बी.एन.एस.एस.
ता0-5-11-26

राधिका आदि
बनाम
चन्दन साहनी

विपक्षी का नाम व पता- चन्दन साहनी पुत्र तुलसी प्रसाद ग्राम डुमरी निवास थाना-सहजनवां जिला-गोरखपुर,

धारा- 144 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अन्तर्गत आपके विरुद्ध सायला/प्रार्थिनी का नाम व पता- राधिका पत्नी चन्दन साहनी पुत्री शिव कुमार सा0 डुमरी निवास थाना सहजनवां जि0 गोरखपुर हाल मु0 -हरैया थाना धर्मसिंहवा जिला-स0क0नगर,

द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र पर आपको व्यक्तिगत रूप से अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में हाजिर होना आवश्यक है। इसलिए आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप स्वयं धारा-144 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में दिये गये प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिए न्यायालय- न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेंहदावल संत कबीर नगर उ0प्र0, भारत के समक्ष दिनांक 5-11-26, को हाजिर हों। इसमें चूक नहीं होनी चाहिए।

दिनांक- 8-10-26,
(हस्ताक्षर)
न्यायाधिकारी
ग्राम न्यायालय मेंहदावल
संत कबीर नगर

प्राइवेट डॉक्टर बने निक्षय मित्र, पांच टीबी मरीजों को लिया गोद

संवाददाता-गोरखपुर। जिले में निक्षय मित्र बनने के लिए प्राइवेट डॉक्टर भी आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में चेस्ट फिजीशियन डॉ नजीबुल्लाह खान ने गुरुवार को अपनी क्लिनिक में पांच टीबी मरीजों को गोद लिया। इन सभी मरीजों को डीटीओ डॉ संतोष श्रीवास्तव की मौजूदगी में पोषण पोटली दी गई। डीटीओ ने बताया कि टीबी मरीजों को गोद लेकर उनकी देखभाल व इलाज में मदद करने वालों को निक्षय मित्र कहते हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक-**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक-**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com